तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर



प्रकृति व संस्कृति से रूबरू होंगे पर्यटक

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक गौतम नारायण पडिभार ने बताया कि उद्यान में पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए केवल जलक्रीड़ा ही नहीं, बल्कि अन्य पर्यटन गतिविधियां भी शुरू की गई हैं। इनमें नेचर ट्रेल, पक्षी दर्शन, गांव भ्रमण और प्राकृतिक झरनों का भ्रमण शामिल है। इन गतिविधियों के माध्यम से पर्यटक बस्तर की समृद्ध जैव विविधता, वन्यजीवों, स्थानीय ग्रामीण जीवन और आदिवासी संस्कृति को करीब से समझ सकेंगे। जंगलों के बीच प्रकृति की सैर और गांवों की पारंपरिक जीवनशैली को जानना पर्यटकों के लिए एक अलग अनुभव होगा।

प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने पर जोर

बताया जा रहा है कि पर्यटन गतिविधियों के दोबारा शुरू होने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यटकों से अपील की गई है कि वे पर्यटन स्थलों, नदी-नालों और प्राकृतिक क्षेत्रों में कचरा न फैलाएं। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को खुले में फेंकने से बचें। प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन का आनंद लेना ही कांगेरघाटी की सुंदरता को लंबे समय तक सुरक्षित रखने का सबसे बेहतर तरीका है।

खबर संक्षेप

पुनर्वास केन्द्र में पुनर्वासित माओवादी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या



जगदलपुर। पुनर्वास केन्द्र बीजापुर में बीते लगभग तीन माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुनर्वासित माओवादी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस व एफएसएल की टीम जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक 26 वर्षीय नरसू बोड्डू उर्फ नैती ग्राम कमकानार थाना गंगालूर क्षेत्र का निवासी था, जो पिछले वर्ष 27 फरवरी को बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुआ था। आत्मसमर्पण के बाद बीते 23 जुलाई से वह पुनर्वास केन्द्र बीजापुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। पुनर्वासित माओवादी नरसू बोड्डू ने अज्ञात कारणों से बुधवार सुबह पुनर्वास केन्द्र में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू कर दी और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाएं है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नरसू ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया। बीजापुर पुलिस मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय बीजापुर भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना है। बीजापुर पुलिस के मुताबिक मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुनर्वास केन्द्र में पुनर्वासित माओवादी की आत्महत्या का यह पहला मामला है।

कांगेरघाटी में फिर गूंजेगा रोमांच का शोर, कयाकिंग और बंबू राफ्टिंग शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

धूड़मारास व तीरथगढ़ में पर्यटक फिर उठा सकेंगे नदी में रोमांच का लुत्फ

बस्तर के प्राकृतिक पर्यटन को एक बार फिर नई रफ्तार मिलने जा रही है। कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान में मानसून के दौरान सुरक्षा कारणों से बंद की गई जलक्रीड़ा गतिविधियां अब दोबारा शुरू कर दी गई हैं। नदी का जलस्तर कम होने और परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद धूड़मारास (धुरवा डेरा) एवं तीरथगढ़ में पर्यटकों के लिए बंबू राफ्टिंग और कयाकिंग की सुविधा बहाल कर दी गई है। इससे बस्तर घूमने आने वाले ⏭शेष पेज 10 पर

अलग खबर



पर्यटन कारोबार को मिलेगा बढ़ावा

जलक्रीड़ा गतिविधियों की दोबारा शुरूआत से क्षेत्र के स्थानीय पर्यटन कारोबार को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। धूड़मारास और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय गाइड, रिसॉर्ट संचालकों, दुकानदारों और अन्य पर्यटन गतिविधियों से जुड़े लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इससे स्थानीय समुदाय की आय बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

आधी रात को कुम्हड़ाकोट के जंगल में रथ छिपाने की रस्म

मां दंतेश्वरी के छत्र के साथ निकला विजय रथ भीतर रैनी में निभाई गई सदियों पुरानी परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल भीतर रैनी विधान की परंपरा बुधवार की रात पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निभाई गई। मां दंतेश्वरी के छत्र की पूजा-अर्चना के बाद विशालकाय विजय रथ की परिक्रमा की गई। इसके बाद आधी रात को विजय रथ को शहर से लगे कुम्हड़ाकोट के जंगल में ले जाकर छिपाने की परंपरा निभाई गई। सदियों से चली आ रही इस अनूठी रस्म के दौरान बस्तर की जनजातीय संस्कृति, राजपरंपरा और लोक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

भीतर रैनी विधान में मां दंतेश्वरी के छत्र का विशेष धार्मिक महत्व है। परंपरा के अनुसार, विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद माता के छत्र को विशालकाय विजय रथ पर विराजमान कराया गया इस धार्मिक अनुष्ठान में पुजारी, मांझी-चालकी और अन्य परंपरागत पदाधिकारी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजय रथ के साथ जुड़ी धार्मिक मान्यताएं और पारंपरिक रस्में इस पर्व को देश के अन्य दशहरा आयोजनों से अलग पहचान देती हैं।



आधी रात को कुम्हड़ाकोट के जंगल में छिपाया गया रथ

भीतर रैनी विधान की सबसे विशिष्ट रस्म आधी रात को निभाई गई। इस परंपरा के तहत विजय रथ को जगदलपुर से निकालकर शहर के समीप स्थित कुम्हड़ाकोट के जंगल में ले जाया गया और वहां छिपा दिया गया रथ को ले जाकर छिपाने की इस रस्म को लोकपरंपरा में रथ चोरी के नाम से भी जाना जाता है। बुधवार की रात इसी परंपरा का निर्वहन किया गया। यह रस्म केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि बस्तर के इतिहास, जनजातीय समाज की सामूहिक भागीदारी और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है।

ग्रामीणों और राजपरिवार की लोककथा से जुड़ा है विधान

भीतर रैनी की परंपरा के पीछे एक प्रचलित लोककथा भी जुड़ी हुई है। लोकमान्यता के अनुसार, पुराने समय में ग्रामीण राजपरिवार की खातिरदारी से असंतुष्ट हो गए थे। इसके बाद ग्रामीण आधी रात को विजय रथ अपने साथ ले गए और उसे कुम्हड़ाकोट के जंगल में छिपा दिया। अगले दिन राजपरिवार के सदस्य ग्रामीणों के पास पहुंचे और उन्हें मनाने की परंपरा निभाई। इसी लोककथा को भीतर रैनी और उसके अगले दिन होने वाले बाहर रैनी विधान से जोड़कर देखा जाता है। यह परंपरा बस्तर के ग्रामीण समाज और राजपरिवार के बीच ऐतिहासिक संबंधों की कहानी को भी सामने लाती है।

बाहर रैनी में रथ वापसी की परंपरा

भीतर रैनी के बाद बाहर रैनी विधान का विशेष महत्व है। इसमें जंगल में छिपाए गए विजय रथ को वापस लाने की परंपरा निभाई जाती है। इस प्रकार दोनों विधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में विजयादशमी पर रावण दहन की परंपरा निभाई जाती है, लेकिन बस्तर दशहरा की पहचान इससे अलग है। यहां यह पर्व मां दंतेश्वरी की आराधना, विशिष्ट धार्मिक अनुष्ठानों और जनजातीय परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व के विभिन्न विधान बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं।

राष्ट्रपति कल आएंगी बस्तर तैयारी अंतिम चरण में

लालबाग मैदान में मंच और सुरक्षा घेरे की हुई समीक्षा



जगदलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 अक्टूबर को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के एकदिवसीय महत्वपूर्ण प्रवास पर आ रही हैं। अपने इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान राष्ट्रपति सिरहासार भवन में आयोजित पारंपरिक मुरिया दरबार में शिरकत करेंगी तथा इसके बाद लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी गई हैं।

बुधवार को वन मंत्री केदार कश्यप ने लालबाग मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, वीआईपी दीर्घा, सुरक्षा घेरा, यातायात प्रबंधन और आम नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े तमाम बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं उत्कृष्ट रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पाण्डे सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक बीएन मीणा, मुख्य वन संरक्षक स्टाइलो मंडावी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, वन मंडलाधिकारी दीपेश कपिल, जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना तथा जिला प्रशासन के अन्य आला अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को वीआईपी प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वदेशी मेले में सजे देशभर के उत्पाद, खरीदारी के साथ आत्मनिर्भर भारत का संदेश

लालबाग मैदान में दूसरे वर्ष हो रहा आयोजन, विभिन्न राज्यों के उत्पादों के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों को देश के विभिन्न राज्यों में तैयार वस्तुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से जगदलपुर के लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया है। मेले में देश के अलग-अलग हिस्सों में निर्मित उत्पादों की दुकानें सजाई गई हैं। यहां घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर सजावटी सामान, हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों तक की विविधता लोगों को आकर्षित कर रही है।



स्वदेशी मेले में अलग-अलग राज्यों के उत्पादों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। विभिन्न स्टॉलों पर सजे सामान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। अपनी जरूरत और पसंद के अनुसार लोग दुकानों पर पहुंचकर उत्पादों की जानकारी ले रहे हैं और खरीदारी कर रहे हैं। स्वदेशी वस्तुओं को ⏭शेष पेज 10 पर

सीआरपीएफ ने पुलिस स्मृति दिवस पर वीर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चीनी फौज का डटकर मुकाबला करते हुए वीरगति पाने वाले सीआरपीएफ के दस शूरवीरों को किया याद

पुलिस स्मृति दिवस पर बुधवार को सीआरपीएफ 227 हेडक्वार्टर तोगंपाल में आयोजन किया गया। इस अवसर पर कमाण्डेंट गोपाल कुमार गुप्ता व जवानों ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस कर्मियों को स्मरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कमाण्डेंट ने कहा कि सशक्त केन्द्रीय सशस्त्र बल देश के लिए प्रतिक्षण समर्पित है।

तोंगपाल में कमाण्डेन्ट गोपाल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस स्मरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस कर्मियों को स्मरण



कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कमाण्डेंट गुप्ता ने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉटस्प्रिंग में सीआरपीएफ के पुलिस उप-अधीक्षक करम सिंह के नेतृत्व में 21 जवानों के एक गश्ती दल का चीनी सैनिकों के भारी और अचानक हमले का सामना हुआ था। इस भीषण संघर्ष में हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए स्वचालित उन्नत हथियारों से लैस चीनी फौज का डटकर मुकाबला किया। मातृभूमि की रक्षा के लिए इस ऐतिहासिक लड़ाई में सीआरपीएफ ⏭शेष पेज 10 पर

हजारों की नशीली सिरप जब्त, दो युवक गिरफ्तार

आरोपी भेजे गए जेल, 6 लाख से अधिक की संपति जब्त

जगदलपुर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बोधघाट पुलिस ने हजारों रुपए की नशीली सिरप के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्विफ्ट कार में सवार होकर जगदलपुर से दंतेवाड़ा की ओर जा रहे थे तभी गीदम रोड में बोधघाट पुलिस ने उन्हें पकड़ा। नशीली सिरप के साथ परिवहन की सूचना पर कार्रवाई के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश, एएसपी सुखनंदन सिंह राठौर के मार्गदर्शन व सीएसपी सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। टीम को सूचना मिली



थी कि दो व्यक्ति सिल्वर रंग के स्विफ्ट कार क्रमांक एमएच 40 केआर 2559 में अवैध प्रतिबंधित नशीली सिरप रखकर बिक्री करने के लिए जगदलपुर से गीदम की तरफ परिवहन कर रहे है। सूचना पर टीम तत्काल गीदम रोड वन विद्यालय के पास एमसीपी लगाकर कार्रवाई करते हुए उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम वीर कुमार झा 45 साल निवासी वार्ड क्रमांक 13 मेन रोड गीदम व शुभम तिवारी 25 ⏭शेष पेज 10 पर

मंत्री केदार कश्यप व अधिकारियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों से की भेंट

अमर वाटिका में शहीद जवानों को सलामी देकर दी गई श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पुलिस स्मृति दिवस पर बुधवार को अमर वाटिका में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

समारोह के दौरान आईजी बीएन मीणा द्वारा कर्तव्य निर्वहन के दौरान वीरगति को प्राप्त पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षु सूबेदार ओम कुमार के नेतृत्व में पुलिस जवानों द्वारा शहीदों को सलामी दी गई। उपस्थित



अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के सम्मान में पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया।

समारोह में उपस्थित अतिथियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से भेंट कर उनसे आत्मीय चर्चा की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। अतिथियों ने राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद परिवारों के प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि शहीद परिवारों का त्याग, धैर्य और समर्पण समाज के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन ⏭शेष पेज 10 पर

शहीद जवानों के परिजनों से की भेंट

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडे, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य, आईजी बीएन मीणा, एसपी शलभ कुमार सिन्हा, कलेक्टर आकाश छिकारा, सीईओ जिला पंचायत तन्मय खन्ना, एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सुमित कुमार सहित जिले के समस्त राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारी-कर्मचारीगण तथा शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों से भेंट कर उनसे आत्मीय चर्चा की।



खबर संक्षेप



नाचते-गाते बंग समाज ने माता रानी को दी विदाई

केशकाल। नवरात्रि के समापन के बाद केशकाल में बंग समाज के श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल में नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान समाज के लोगों में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। माता रानी की विदाई के अवसर पर पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।
नवरात्रि के दौरान बंग समाज के लोगों ने विधि-विधान के साथ माता रानी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और सभी के मंगलमय जीवन की कामना की। नौ दिनों तक माता की आराधना करने के बाद विसर्जन के समय श्रद्धालुओं में एक ओर जहां उत्साह दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर माता रानी को विदा करते समय भावुकता भी नजर आई। समाज के लोगों ने माता के जयकारे लगाते हुए विसर्जन यात्रा में भाग लिया और भक्तिभाव के साथ प्रतिमा को विदाई दी।

विजयादशमी पर एसपी पंकज चंद्रा ने की शस्त्र पूजा



कोण्डागांव। विजयादशमी पर कोण्डागांव पुलिस लाइन में शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने विधि–विधान के साथ शस्त्रों की पूजा कर जिले की सुख–समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। पूजा के पश्चात परंपरा के अनुसार हर्ष फायरिंग की गई। साथ ही पुलिस विभाग के वाहनों की भी विधिवत पूजा की गई। विजयादशमी पर्व के अवसर पर पुलिस लाइन में शस्त्रों की पारंपरिक पूजा–अर्चना की गई। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने शस्त्र पूजा कर पुलिस बल और जिलेवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पूजा में भाग लिया। पारंपरिक शस्त्र पूजा संपन्न होने के बाद हर्ष फायरिंग की गई। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वाहनों की भी पूजा–अर्चना की गई। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परंपरागत रीति–रिवाजों के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने विजयादशमी पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व सभी को सत्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

फरसगांव में मां दुर्गा को दी गई विदाई, निकाली विसर्जन शोभायात्रा



फरसगांव। नगर के अस्पताल मैदान में दुर्गा उत्सव समिति द्वारा बुधवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मां दुर्गा सहित भगवान गणेश, कार्तिकेय, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं के साथ भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई।
शोभायात्रा में श्रद्धालु मांदरी नृत्य और डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए नगर भ्रमण करते नजर आए। पूरे उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच निकली शोभायात्रा के बाद नगर के भीमा तालाब में सभी प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया। इसके साथ ही नौ दिनों से चल रहे दुर्गा उत्सव का समापन हुआ।



भूमका-हिर्री में रामलीला के बाद मिट्टी के रावण का वध

भरत भारद्वाज ▶▶| फरसगांव

दशहरे पर देशभर में रावण दहन की परंपरा है, लेकिन कोंडागांव जिले के ग्राम भूमका और हिर्री में दशहरा मनाने का तरीका बिल्कुल अलग है। यहां रावण का पुतला जलाने के बजाय मिट्टी की प्रतिमा बनाई जाती है और रामलीला मंचन के बाद उसका वध किया जाता है। इसके बाद रावण की नाभि में रखे लाल रंग को अमृत मानकर ग्रामीण माथे पर तिलक लगाते हैं। मंगलवार को दोनों गांवों में इस अनूठी परंपरा का निर्वहन किया गया।

ग्रामीण मान्यता के अनुसार, रावण की नाभि में अमृत कुंड होने के कारण उसकी

यहां लाल रंग को अमृत मानकर माथे पर तिलक लगाते हैं ग्रामीण





प्रतिमा को जलाने के बजाय वध किया जाता है। प्रतिमा निर्माण के दौरान नाभि में मिट्टी का पात्र रखकर उसमें लाल रंग भरा जाता है। रावण वध के बाद ग्रामीण इस लाल रंग को अमृत मानकर तिलक लगाते हैं। स्थानीय मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है। ग्राम हिर्री के पटेल भारद्वाज बैध, सरपंच सुकमन और भूमका निवासी बैजनाथ तिवारी , सरपंच रामभरोस कुँवर के अनुसार, दोनों गांवों में यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। दशहरे के अवसर पर इस विशेष आयोजन को देखने आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। रावण वध के बाद अमृत का तिलक लगाने की यह रस्म क्षेत्र की लोकआस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान देती है। दशहरा पर्व के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ेराजपुर और फरसगांव थाना पुलिस भी तैनात रहती है। पुलिस की मौजूदगी में दोनों गांवों में दशहरा पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाता है।

आतिशबाजी, उत्साह और जय श्रीराम के जयघोष के बीच मनाया गया विजयादशमी का पर्व

नगर स्टेडियम में रावण दहन, बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी दशहरा का पर्व कोंडागांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विकास नगर स्टेडियम में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। उत्सव के दौरान पूरा वातावरण धार्मिक आस्था, उमंग और उल्लास से सराबोर नजर आया।

विकास नगर स्टेडियम में रावण दहन देखने के लिए लोग परिवार और बच्चों के साथ पहुंचे। शाम होते–होते आयोजन स्थल पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने मिलकर पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम स्थल पर उत्सव का माहौल बना रहा। रावण दहन की प्रतीक्षा कर रहे लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

दशहरा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में मनाया जाता है। रावण दहन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देने का अवसर भी है कि अहंकार, अन्याय, क्रोध, लोभ और अधर्म का अंत निश्चित है। कोंडागांव के विकास नगर स्टेडियम में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम ने भी लोगों को सत्य, सदाचार, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। पर्व के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि व्यक्ति को अपने भीतर मौजूद बुराइयों को समाप्त कर समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। दशहरा ऐसा पर्व है, जो समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ जोड़ता है। रावण दहन देखने पहुंचे लोगों के बीच उत्सव और उल्लास का वातावरण रहा। परिवारों ने एक साथ पर्व मनाया और बच्चों को भगवान श्रीराम की विजय से जुड़ी पौराणिक कथा तथा उसके नैतिक संदेशों से परिचित होने का अवसर मिला।

कोंडागांव में विकास नगर स्टेडियम में आयोजित रावण दहन के साथ दशहरा पर्व ने लोगों को नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संदेश दिया।

मोहल्लाई में मना दशहरा पर्व, रावण दहन देखने उमड़ी ग्रामीणों की भीड़



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले के ग्राम मोहल्लाई में इस वर्ष भी विजयदशमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। रावण के पुतले में आग लगते ही पूरा मैदान उत्सव के माहौल में डूब गया। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। ग्राम मोहल्लाई में आयोजित दशहरा उत्सव के दौरान रावण दहन मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। दशहरा पर्व को लेकर गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। रावण दहन देखने पहुंचे बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने परिवार के साथ कार्यक्रम का आनंद उठाया और एक–दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। विजयदशमी उत्सव के अंतर्गत रावण दहन के पश्चात रात्रि में नृत्य एवं संगीत के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देर शाम तक उत्सव का आनंद उठाया। ग्राम मोहल्लाई में प्रतिवर्ष दशहरा पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष भी ग्रामीणों ने परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सामूहिक रूप से विजयदशमी का उत्सव मनाया। आयोजन के माध्यम से गांव में आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

कोदागांव से खरगांव तक 3.10 करोड़ में बनेगी सड़क, विधायक लता उसेंडी ने किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव



ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने और गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में कोण्डागांव जिले में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत चौड़ंग अंतर्गत कोदागांव से खरगांव तक 3.425 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कोण्डागांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी ने किया। सड़क निर्माण के लिए 3 करोड़ 10 लाख 37 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़क बनने से ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कोदागांव से खरगांव तक बनने वाली सड़क के लिए 3 करोड़ 10 लाख 37 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। सड़क निर्माण से दोनों गांवों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। विशेषकर बरसात के दिनों में आने–जाने में होने वाली परेशानियों से ग्रामीणों को राहत मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीणों का आवागमन आसान होने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी सुगम होती है। सड़क निर्माण से गांवों में विकास के नए अवसर पैदा होते हैं।

बाबा साहब सेवा संस्था ने मनाया कांशीराम का परिनिर्वाण दिवस



कोण्डागांव। बाबा साहब सेवा संस्था, कोण्डागांव द्वारा बहुजन समाज में सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना के महानायक कांशीराम साहब के परिनिर्वाण दिवस पर कोर्ट चौक स्थित संस्था कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके महान संघर्षों और विचारों को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के अध्यक्ष भुवन लाल मारकंडे ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन बहुजन समाज को संगठित करने और लोगों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अथक प्रयासों से ही समाज के वंचित वर्गों में आत्मसम्मान और राजनीतिक भागीदारी की एक मजबूत भावना विकसित हुई। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि कांशीराम ने हमेशा सामाजिक समानता, स्वाभिमान और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की गहरी प्रेरणा देते हैं। संस्था के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि कांशीराम के संघर्ष और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है, ताकि शिक्षा, संगठन और जागरूकता के बल पर समाज में एक सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष भुवन लाल मारकंडे, संरक्षक प्रमोद भारती, मुकेश मार्कण्डेय, देवानंद चौरे, पालेश्वर सोनवानी, अनिल ध्रुव और देवेंद्र कुमार देहारी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने 12 परगनों के देवी-देवता जगदलपुर रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

चौपाटी मैदान में हुआ विदाई कार्यक्रम, मांझी–चालकी, गायता, पटेल–पुजारी सहित सैकड़ों श्रद्धालु हुए रवाना



बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने कोंडागांव जिले के 12 परगनों से आए ग्राम देवी–देवता, मांझी–चालकी, गायता, पटेल–पुजारी एवं सैकड़ों श्रद्धालु मंगलवार को जगदलपुर के लिए रवाना हुए। स्थानीय चौपाटी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में पारंपरिक रीति–रिवाजों एवं विधिवत पूजा–अर्चना के साथ ग्राम देवी–देवताओं को विदाई दी गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं की सुखद एवं मंगलमय यात्र की कामना की।

मंगलवार को कोंडागांव के चौपाटी मैदान में आयोजित विदाई कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रें से पहुंचे ग्राम देवी–देवताओं की पारंपरिक पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद जिला प्रशासन की ओर से जनप्रतिनिधियों ने देवी–देवताओं और श्रद्धालुओं को जगदलपुर के लिए विदा किया।

बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए जिले के 12 परगनों से ग्राम देवी–देवताओं के साथ मांझी–चालकी, गायता, पटेल–पुजारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु कोंडागांव पहुंचे। ऐतिहासिक पर्व में सहभागिता को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बताया कि बस्तर दशहरा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन एवं पर्व में सहभागिता के लिए शासन–प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित एवं मंगलमय यात्र की कामना की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। इस पर्व में विभिन्न परगनों के ग्राम देवी–देवताओं की सहभागिता और पारंपरिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। कार्यक्रम के दौरान बस्तर की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में मांझी–चालकी, गायता, पटेल–पुजारी और श्रद्धालुओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सदियों पुरानी परंपराओं को जीवित रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में इन पारंपरिक पदाधिकारियों का विशेष योगदान है।

नगर पालिका परिषद कोंडागांव के अध्यक्ष नरपति पटेल, राज्य तीरंदाजी संघ के उपाध्यक्ष दीपेश अरोरा, मनोज जैन एवं जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर ने ग्राम देवी–देवताओं और श्रद्धालुओं को पारंपरिक तरीके से विदाई दी। उन्होंने बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने जा रहे सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं।

गुजराती समाज ने गरबा उत्सव के साथ दिया 9 दिन 9 संकल्प 9 दान का संदेश



कोण्डागांव। नवरात्रि पर गुजराती समाज कोण्डागांव ने धार्मिक आस्था को सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए 9 दिन 9 संकल्प 9 दान की एक सराहनीय एवं अनूठी पहल की है। गरबा-डांडिया और पारंपरिक सांस्कृतिक उत्साह के बीच समाज ने जरूरतमंदों की मदद और जनकल्याण का प्रेरक संदेश दिया। इस पहल के तहत नवरात्र के नौ दिनों में प्रतिदिन एक नया सकारात्मक संकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसमें जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र, स्वास्थ्य सहायता, बच्चों की शिक्षा में सहयोग, जल संरक्षण, स्वच्छता और मूक पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना जैसे विषय शामिल रहे। समाज का मानना है कि दान केवल आर्थिक न होकर समय, श्रम और संवेदना के रूप में भी किया जा सकता है।

प्रथम पेज का शेष

कांगेरघाटी में फिर गूंजेगा ...

सैलानियों को अब जंगल, झरने और गुफाओं के साथ नदी में रोमांचक गतिविधियों का आनंद भी मिलेगा। मानसून के दौरान लगातार बारिश के कारण कांगेर नदी और आसपास के जलस्रोतों का जलस्तर बढ़ जाता है। तेज बहाव और पानी की गहराई को देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर कयाकिंग और बंबू राफ्टिंग पर रोक लगा दी गई थी। अब जलस्तर सामान्य होने के बाद इन गतिविधियों को फिर से शुरू किया गया है।

स्वदेशी मेले में ...

बाजार उपलब्ध कराने की पहल : स्वदेशी मेले का उद्देश्य केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में तैयार वस्तुओं के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाना भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से उत्पादकों, छोटे कारोबारियों और दुकानदारों को अपने सामान के प्रदर्शन एवं बिक्री का अवसर मिलता है। वहीं, ग्राहकों को भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में तैयार वस्तुओं की विशेषताओं को समझने का मौका मिलता है।

खरीदारी के साथ मनोरंजन का भी अवसर : मेले में खरीदारी के अलावा मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई है। झूले और अन्य आकर्षण बच्चों एवं परिवारों के लिए मेले को खास बना रहे हैं। शाम के समय मेले में लोगों की आवाजाही बढ़ने से परिसर में रौनक दिखाई दे रही है।

हजारों की नशीली...

साल निवासी धरमपुरा नंबर एक का रहने वाले बताया। तलाशी लेने पर आरोपियो के संयुक्त कब्जा में रखे सफेद रंग के बोरी एवं दो नग काटून के अंदर से अवैध मादक नशीली सिरप 300 नग कुल 30 लीटर किमती 63 हजार रुपए के अलावा दो मोबाइल कीमत 60 हजार रुपए तथा स्विफ्ट कार कीमत 5 लाख रुपए बरामद कर जब्त किया गया।

सीआरपीएफ ने पुलिस स्मृति...

के 10 शूरवीर जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। जनवरी 1960 में लिए गए महत्वपूर्ण संकल्प के बाद से, हॉटस्प्रिंग के इन अमर बलिदानियों और ड्यूटी पर जान गंवाने वाले सभी जवानों के सम्मान में हर वर्ष 21 अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पिछले एक वर्ष में देशभर में शहीद हुए पुलिस और सशस्त्र बल के कार्मिकों के नाम भी पढ़कर सुनाए गए और ईश्वर से उनकी आत्मा को चिर शांति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

अमर वाटिका में शहीद...

वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने तथा जनसेवा, आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

खबर संक्षेप

8 तसर कोसा पालकों को मिली 35 हजार की सब्सिडी

बीजापुर। तसर रेशम पालन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण हितग्राहियों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से ग्राम गुदमा के अंतर्गत संचालित शासकीय कोसा बीज केंद्र गुदमा के 8 तसर कोसा पालकों को पालित प्रजाति के स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना के तहत 2500 तसर स्वस्थ डिम्ब समूह वितरित किए गए। ये स्वस्थ डिम्ब समूह केंद्रीय रेशम बोर्ड की इकाई बीएसएमटीसी बस्तर से प्राप्त किए गए। वितरित डिम्ब समूहों का कुल मूल्य 40 हजार रुपये है, जिस पर हितग्राहियों को 35 हजार रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई। इस प्रकार हितग्राहियों को मात्र 5 हजार रुपये का अंशदान करना पड़ा।
इस योजना से ग्राम गुदमा के 8 तसर कोसा पालकों को लाभ मिला है। स्वस्थ डिम्ब समूहों के वितरण से तसर कृमिपालकों को बेहतर गुणवत्ता वाले कोसों का उत्पादन करने तथा अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।
योजना से लाभान्वित समूह के अध्यक्ष मनोज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी से तसर पालन की लागत कम करने में मदद मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वस्थ डिम्ब समूहों के पालन से बेहतर कोसा उत्पादन होगा और समूह के सदस्यों की आय में वृद्धि होगी। इस प्रकार स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना ग्रामीण क्षेत्रों में तसर रेशम पालन को प्रोत्साहित करने, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने तथा हितग्राहियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पुलिस कार्यालय और पोटाकेबिन में जागरूकता कार्यक्रम

बीजापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीजापुर एवं पोटाकेबिन बीजापुर में महिला एवं बाल सुरक्षा तथा विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बच्चों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, मिशन शक्ति, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव तथा कानूनी अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से संकटग्रस्त महिलाओं को मिलने वाली विभिन्न सहायता एवं परामर्श सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर आपातकालीन परिस्थितियों के लिए महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस सहायता 112 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। आमजन की सुविधा और त्वरित सहायता के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय की दीवारों पर इन महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के पोस्टर भी चस्पा किए गए, ताकि लोग जागरूक हो सकें। वकार्यक्रम में पुलिस विभाग की ओर से विनीत साहू, पूनम शर्मा, नारायण विश्वकर्मा, मनीषा एवं मनोज सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सुनीता तामड़ी, शीला भारद्वाज एवं उर्वशी नाग उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के सुरक्षा उपायों तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

दुर्गा बाड़ी और आड़ावाल में सजे मां दुर्गा के पंडाल, प्रतिमाएं बनीं आकर्षण का केंद्र...



जगदलपुर। मैत्री संघ दुर्गा बाड़ी में स्थापित मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, गणेश व कार्तिक की प्रतिमा।



जगदलपुर। मिलन संघ, ओरना कॉलोनी , आड़ावाल में मां दुर्गा की आकर्षक साज सज्जा।

सीता राम सेवा समिति मंदिर प्रांगण से निकली शोभायात्रा, शहनाई की थाप पर थिरके ग्रामीण

धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व 20 फीट ऊंचे रावण के पुतले का हुआ दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़

बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत ग्राम मद्देड़ में विजयादशमी का पर्व मंगलवार को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। दशहरा उत्सव के अवसर पर गांव में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य समारोह गैर्रागुड़ा हनुमान मंदिर के समीप हुआ, जहां 20 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान

- गैर्रागुड़ा मैदान में ढहा रावण का अहंकार, आतिशबाजी से जगमगाया आसमान

बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और श्रीराम की विजय के प्रसंग का आनंद उठाया।

रावण दहन से पहले सीता राम सेवा समिति मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो मुख्य सड़क मार्ग और चौक-चौराहों से होकर गुजरी। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल ग्रामीण महिला, पुरुष और युवक-युवतियां मद्देड़ शहनाई की धुन पर नाचते-थिरकते दिखे। शोभायात्रा के गैर्रागुड़ा मैदान



पहुंचने पर लंका द्वार ध्वस्त करने की परंपरा निभाई गई। रावण के पुतले के दहन के साथ की गई शानदार आतिशबाजी ने उत्सव के माहौल को और भी आकर्षक बना दिया। दशहरा उत्सव को लेकर बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। शाम होते ही आयोजन स्थल पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। ग्रामीणों ने परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर रामलीला का आनंद लिया। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को सोना पत्ती (समी पत्र) भेंट कर विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। छोटों ने बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, वहीं हमउम्र लोगों ने सोना पत्ती देकर एक-दूसरे को गले लगाया।

परंपरा और सामाजिक सद्भाव

मद्देड़ क्षेत्र में रावण दहन की यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है, जिससे पर्व का उत्साह पूरे क्षेत्र में देखने को मिला। विजयादशमी पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। श्रीराम द्वारा रावण पर विजय की कथा अहंकार, अन्याय और नकारात्मक प्रवृत्तियों का त्याग करने की प्रेरणा देती है। मद्देड़ में आयोजित इस उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करने का संदेश दिया।

घाटलोहंगा के 12 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय शालेय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन

घाटलोहंगा। घाटलोहंगा बस्तर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटलोहंगा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खिलाड़ियों ने खेल के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के 12 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में रग्बी फुटबॉल के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता दिल्ली में 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ की टीम में चयनित होकर ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से बस्तर जिले सहित ग्राम पंचायत घाटलोहंगा और विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ और बस्तर का नाम रोशन करेंगे। इस प्रतियोगिता के लिए मोहम्मद साहिबा को छत्तीसगढ़ टीम का कोच नियुक्त किया गया है। उनके मार्गदर्शन में चयनित खिलाड़ी दिल्ली में अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उपलब्ध कराई गई सूची के अनुसार चयनित खिलाड़ियों में कुमारी संजना, प्रतिमा, छनेन्द्री, बबीता यादव, कुमारी दीक्षा, यानवी, अनीता, पोड़ियामी, उमेश कुमार, तरुण कुमार, पवन कुमार, शंभूनाथ, करण देव, राजेश कुमार ठाकुर और चित्रांश बघेल के नाम शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में चयनित होना खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। इस उपलब्धि से ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। अब सभी की निगाहें दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां छत्तीसगढ़ की टीम के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से प्रदेश और बस्तर जिले को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे।

'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर 2 नवंबर को मनेगा जिला स्तरीय राज्योत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

आगामी राज्योत्सव के आयोजन की तैयारियों को लेकर आज संयुक्त जिला कार्यालय (कलेक्टरेट) के डंकनी सभाकक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम. भार्गव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्योत्सव के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भार्गव ने संबंधित

- कलेक्टरेट में जिला पंचायत सीईओ ने ली तैयारी बैठक, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने को कहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर जोर

इस वर्ष जिले में 02 नवंबर 2026 को एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर किया जाएगा। इस थीम के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण, युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। राज्योत्सव के दौरान जिले में संचालित विकास कार्यों, उपलब्धियों और विभिन्न विभागों की योजनाओं को प्रदर्शित करने के साथ ही स्थानीय कला, संस्कृति एवं परंपराओं को भी प्रमुखता से प्रस्तुत करने की दिशा



में प्रयास किए जाएंगे।

जनभागीदारी बनाने की अपील

बैठक के दौरान आयोजन स्थल की व्यवस्था, मंच सज्जा, विभागीय प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, आमंत्रण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विभागवार जिम्मेदारियां सुनिश्चित की गईं। अधिकारियों से आयोजन को जनभागीदारीपूर्ण बनाने तथा महिलाओं और युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है। साथ ही कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने और जिले की सांस्कृतिक पहचान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर भी बल दिया गया। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर भरतराम ध्रुव सहित विभिन्न विभागों के विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

नवीन ट्रांसफार्मर के शुभारंभ से वार्ड क्रमांक 9 को लो-वोल्टेज की समस्या से मिली मुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

नगर पंचायत गीदम के वार्ड क्रमांक 9 में विगत कई वर्षों से चली आ रही लो-वोल्टेज की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीन विद्युत

- नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की कवायद तेज

ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया गया। चैतराम अटामी, रजनीश सुराना एवं सूरज सिंह ठाकुर ने विधिवत रूप से नवीन ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया। नवीन ट्रांसफार्मर के शुभारंभ से वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। वार्डवासियों ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

वार्ड क्रमांक 9 में घनी आबादी होने के कारण विद्युत खपत अधिक थी। लंबे समय से एक ही ट्रांसफार्मर के माध्यम से वार्ड क्रमांक 8, 9 सहित आसपास के अन्य क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की जा रही थी। इसके चलते विशेषकर गर्मी के मौसम में



वार्डवासियों को लो-वोल्टेज की समस्या का सामना करना पड़ता था, जिससे घरेलू कार्यों सहित विद्युत उपकरणों के संचालन में परेशानी होती थी। वार्डवासियों की इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए नवीन ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इसके शुभारंभ से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होने तथा लो-वोल्टेज की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। वार्ड 9 से पूर्व हाल ही में वार्ड क्रमांक 14 में भी नवीन विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे वार्ड 14 सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत भार कम करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर पुतान सिंह कुशवाह, राकेश कुशवाह, राजा गुप्ता, ममता गुप्ता, श्याम सिंह, श्रीकांत राव, अजय अवस्थी, सुजीत सिंह, रंजिता शर्मा, उगेश्वरी देवांगन, अनीश जॉर्ज सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित रहे।

मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता

रजनीश सुराना ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता है। वार्ड 14 के बाद वार्ड 9 में नवीन ट्रांसफार्मर की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आवश्यकता के अनुसार अन्य वार्डों में भी नवीन ट्रांसफार्मर स्थापित कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गीदम के सभी वार्डों में बिजली, सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। संकल्प है कि प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों।

पुलिस स्मृति दिवस पर बीजापुर में शहीदों को दी गई सलामी, परिजनों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

पुलिस स्मृति दिवस पर देश की आंतरिक सुरक्षा में प्राण न्यौछावर करने वाले सशस्त्र एवं अर्द्धसैनिक बल के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। देश की रक्षा में कुल 154

- देश सेवा में प्राण न्यौछावर करने वाले 154 बलिदानियों की नामावली का किया गया वाचन

जवान शहीद हुए, जिनमें छत्तीसगढ़ के 6 जवान शामिल हैं। बीजापुर जिले के कचिलवार जंगल में माओवादी मुठभेड़ में शहीद प्रधान आरक्षक बड़दी मोहन एवं आरक्षक दुकारू राम गोंदे को विशेष रूप से याद किया गया। पुलिस अधीक्षक



उमेश प्रसाद गुप्ता ने शहीद नामावली का वाचन कर उसे स्मारक पर अर्पित किया, जिसके बाद जवानों को सलामी देकर दो मिनट का मौन रखा गया।

सलामी के उपरांत उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान उमेश प्रसाद गुप्ता, सुमेद सुरवाड़े, रविन्द्र कुमार मीणा, नम्रता चौबे और राकेश साहू ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर उन्हें साल भेंट किया। प्रशासन ने परिजनों के स्वत्वों के भुगतान संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण का भरोसा दिया। साथ ही बच्चों की छात्रवृत्ति हेतु आवेदन शिक्षा विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस, अर्द्धसैनिक बल और जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

बंगाली कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति का आयोजन

कपिल थापा के सुरीले गीतों पर झूमी लौह नगरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

लौह नगरी किरंदुल में सार्वजनिक शारदीय दुर्गा पूजा बंगाली कॉलोनी में इंडियन आइडल सीजन 4 के प्रथम रनर अप कपिल थापा का म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कपिल थापा को सुनने के लिए उनके हजारों फैंस उपस्थित हुए। उनके सुरीले गीतों ने लोगों को झूमने और नाचने के लिए मजबूर कर दिया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में दर्शक गानों की थाप पर थिरकते रहे और पूरा माहौल संगीत के रंग में डूब गया। मुख्य अतिथि के रूप में एनएमडीसी के अधिशासित निर्देशक बी.आई.ओ.एम. किरन्दुल







काम्प्लेक्स रवि नारायण, प्रेरणा महिला समिति की अध्यक्ष नमिता नारायण, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अविनाश ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक जयंत कुमार दास, वाई राघवेलु, मुख्य महाप्रबंधक किशन आहूजा, महाप्रबंधक सुधांशु वर्मा और विभागाध्यक्ष डीजीएम सिविल लक्ष्मण कुमार प्रधान उपस्थित हुए। अतिथियों ने समिति के इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन की सराहना की।

इस सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष विपुल राय, सचिव बिप्लव मल्लिक, कोषाध्यक्ष नीलरतन घोष, उपाध्यक्ष गोपाल सरकार, रामकृष्ण मंडल, दीपक गोस्वामी, राकेश साहा, सह-सचिव विजय शाह, नीति पाल, अभिषेक घोष और शुभम सरकार सहित सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कलाकारों, अतिथियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

ऑडिटोरियम जावंगा में 29 को जिला स्तरीय युवा उत्सव मंच

दंतेवाड़ा। युवाओं को कला और संस्कृति के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर को जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में यह उत्सव सुबह 10 बजे से ऑडिटोरियम जावंगा, गीदम और आस्था विद्या मंदिर में आयोजित होगा। एम. भार्गव ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 28 अक्टूबर की शाम 5 बजे तक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय या जिला खेल कार्यालय में पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 'माय भारत' पोर्टल से ऑनलाइन भी होगा।
प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष के युवा हिस्सा ले सकेंगे। इस दौरान लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, पारंपरिक वेशभूषा, विकसित भारत चौलेंज ट्रैक, नुक्कड़ नाटक और क्रिएटिव यूथ रील चौलेंज सहित आठ विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी। लोकगीत में फिल्मी गीतों और लोकनृत्य में टेप रिकॉर्डेड संगीत की अनुमति नहीं होगी। चित्रकला के लिए 'नशामुक्त युवा' विषय तय किया गया है।

युवा रत्न सम्मान के लिए आवेदन 30 तक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को ''युवा रत्न सम्मान'' प्रदान किया जाएगा। इसके लिए जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण) जिला बीजापुर में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।
युवा रत्न सम्मान के अंतर्गत असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्यों के लिए युवाओं को 2.50 लाख रुपए तथा स्वैच्छिक संगठनों को 5 लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। वहीं सामाजिक कार्य, साहित्य, उद्यमिता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन उत्थान, कला-संगीत एवं लोककला जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1 लाख रुपए की सम्मान राशि निर्धारित की गई है। पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 12 लाख की सहायता

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं से मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अंतर्गत सर्पदंश से मृत्यु में मृतिका सरिता बारसे के पिता जोगा राम बारसे, मृतक ओयाम मधु के पिता ओयाम कोपा एवं मृतिका सुहानी पोयाम के पिता बुधराम पोयाम सहित प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपये कुल 12 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप और आतिशबाजी के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

मसेनार नदी घाट पर हुआ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन





नदी घाट पर सुरक्षा इंतजामों में दिखी कमी, चौकसी बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नकुलनार

दंतेवाड़ा जिले के नकुलनार में मां दुर्गा की प्रतिमा का मसेनार नदी घाट पर धूमधाम से विसर्जन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुसज्जित वाहन पर मां की प्रतिमा के साथ निकली इस यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर नगर के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण किया। विसर्जन मार्ग पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप, हरिबोल के जयकारों और आतिशबाजी से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा।

आयोजन के दौरान राहुल चौहान ने कहा कि पहले नक्सल समस्या के कारण क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों का उत्साह सीमित रहता था, लेकिन अब ऐसे आयोजनों में भक्तिमय माहौल और लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। वहीं, अमित भदौरिया ने आयोजन को सफल बताते हुए समिति के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से मां दंतेश्वरी मंदिर के दर्शन के लिए पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा भी की गई।



सुरक्षा की मांग

श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को जयकारों के साथ विदाई दी। आयोजन की भव्यता के बीच घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग भी सामने आई। प्रमोद भदौरिया ने मसेनार नदी घाट पर सुरक्षा इंतजामों की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रशासन से मांग की कि विसर्जन के दौरान घाट पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

231 बटालियन ने मनाया पुलिस स्मृति दिवस, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

231 बटालियन केरिपुबल द्वारा पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। सुनील भंवर के निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय में आयोजित

- 1959 के हॉट स्प्रिंग हमले के बलिदानियों को किया याद



कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर वाहिनी के सुनील भंवर द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने इस दिवस के ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया।

संबोधन में बताया गया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में स्थित हॉट स्प्रिंग नामक स्थान पर केरिपुबल के गश्ती दल पर चीनी सेना द्वारा घात लगाकर हमला किया गया था, जिसका केरिपुबल के जवानों ने बहादुरी से सामना किया। इस हमले में केरिपुबल के 10 जवानों - पूरन सिंह, थेसरिंग नारबी, शिवनाथ प्रसाद, बेग राज, मदन लाल, इमान सिंह, हंगजीत सिंह, श्रवण दास, नारबू लामा और धरम सिंह ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना बलिदान दिया था। केरिपुबल के लिए यह गौरव की बात है कि देश के सभी पुलिस बल तथा सभी राज्यों के पुलिस बल इस दिवस को 'पुलिस स्मृति दिवस' के रूप में मनाते हैं।

संबोधन के दौरान जवानों को अपने कर्तव्यों में सदैव केरिपुबल की गौरवशाली परंपरा तथा समर्पण भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया, ताकि देश में अमन-चैन बना रहे और देश दिन-प्रतिदिन विकास की ऊंचाइयां छूता रहे। इस अवसर पर सतीश कुमार मलिक, संजय कुमार पूनिया, प्रशांत कांबले, मनमोहन मीणा तथा वाहिनी के सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

मुरिया दरबार के निमंत्रण पत्र पर विवाद, आदिवासी जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों के नाम गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक एवं पारंपरिक आयोजन मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को लेकर जारी निमंत्रण पत्र में बस्तर संभाग

- लखेश्वर बघेल ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल
- राष्ट्रपति के समक्ष बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं रखने की उठी मांग

के आदिवासी जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों के नाम शामिल नहीं होने का मामला सामने आया है। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने सवाल उठाते हुए भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और आदिवासी परंपराओं से जुड़े इतने महत्वपूर्ण आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों की भागीदारी हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए।



इस विवाद के बीच इंद्रावती नदी की बाढ़ से प्रभावित परिवारों की समस्याओं को राष्ट्रपति के समक्ष रखने की मांग भी प्रमुखता से उठाई जा रही है। हालिया बाढ़ से बस्तर के कई गांवों में मकानों और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। अनेक परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और किसानों की हजारों एकड़ फसल प्रभावित होने की बात सामने आई है। प्रभावितों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के बाद उनके सामने दोबारा खेती-किसानी और आजीविका शुरू करने की बड़ी चुनौती है। ऐसे में प्रभावितों के पुनर्वास और आर्थिक राहत के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि को बढ़ाना बेहद जरूरी है।

परंपरागत रूप से बस्तर दशहरा समिति से जुड़े इस आयोजन में इस बार संस्कृति विभाग की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, संबंधित जनप्रतिनिधियों को अलग से आमंत्रित किया गया है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन का पक्ष जानना जरूरी है। बस्तर दशहरा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

इन प्रमुख नेताओं के नाम गायब

विवादित निमंत्रण पत्र में भोजराज नाग, लखेश्वर बघेल, विनायक गोयल, कवासी लखमा, चैतराम अटामी, विक्रम मंडावी, लता उसेंडी, नीलकंठ टेकाम, आसाराम नेताम, सावित्री मंडावी और विक्रम उसेंडी सहित बस्तर संभाग के कई प्रमुख नेताओं के नाम गायब होने पर सवाल उठ रहे हैं। इसके साथ ही बस्तर संभाग के विभिन्न आदिवासी समाजों के प्रमुखों को आमंत्रित किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। विपक्ष ने मांग की है कि अतिथि सूची तैयार करने की प्रक्रिया पर प्रशासन अपनी स्थिति स्पष्ट करे कि किन लोगों से परामर्श लेकर यह सूची तैयार की गई है।

सिरहासार में मुरिया दरबार और लालबाग की आमसभा में होंगी शामिल, सुबह 7 से शाम 5 बजे तक रूट डायवर्ट

शहर में राष्ट्रपति मुर्मू का आगमन कल पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के सिरहासार भवन में शुक्रवार 23 अक्टूबर को आयोजित मुरिया दरबार तथा लालबाग में आयोजित आमसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन होगा। शहर में होने वाले राष्ट्रपति के प्रवास के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक प्रभावी रहने वाली इस व्यवस्था के तहत सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवधि के दौरान शहर के भीतर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा, जबकि एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को सभी प्रकार के प्रतिबंधों से पूर्ण छूट प्रदान की गई है।

चरणबद्ध मार्ग प्रतिबंध

यात्री बसों, दोपहिया और चारपहिया छोटे वाहनों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 30 (जगदलपुर-रायपुर मार्ग) की ओर जाने वाले सामान्य आवागमन में बदलाव किया गया है, जिसके तहत वाहन बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा रोड से



होकर गुजरेंगे क्योंकि लालबाग मार्ग पर सामान्य आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। शहर के मुख्य मार्गों पर समय-सारणी के अनुसार चरणबद्ध प्रतिबंध लागू किए गए हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक कुम्हारपारा चौक, शहीद पार्क, स्टेट बैंक चौक, दंतेश्वरी मंदिर, गोलबाजार चौक, मिताली चौक और सिरहासार भवन से स्वर्गीय बलीराम कश्यप चौक तक आवागमन बंद रहेगा। इसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहर 04 बजे तक सिरहासार भवन से स्वर्गीय बलीराम कश्यप चौक, सर्किट हाउस चौक, भंगाराम चौक, आईजीपी बंगला तिराहा, पुलिस ऑफिसर्स मेस तिराहा और लालबाग हाउसिंग बोर्ड तिराहा तक प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। वहीं दोपहर 01 बजे से शाम 04 बजे के बीच पुलिस आईजी बंगला तिराहा से कोतवाली मार्ग, त्रिवेणी परिसर, पुलिस पेट्रोल पंप से झंकार टॉकीज तिराहा और शहीद पार्क से कुम्हारपारा चौक तक का मार्ग बंद रखा जाएगा। इन सभी प्रतिबंधित मार्गों के विकल्प के रूप में आम जनता चांदनी चौक से होकर बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा मार्ग से नेशनल हाईवे 30 की ओर आवागमन कर सकेगी।

क्रॉसिंग और वैकल्पिक रास्ते

स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए कुम्हारपारा चौक से बोधघाट थाना मार्ग, जमाल मिल तिराहा से एफसीआई गली, महावीर चौक से दुर्गा चौक, स्टेट बैंक चौक से भंगाराम चौक तथा भंगाराम चौक से पथरागुड़ा की ओर क्रॉसिंग की सुविधा निर्धारित की गई है, जिसे विशेष परिस्थितियों या सुरक्षा कारणों से आवश्यकता पड़ने पर रोका भी जा सकता है। लालबाग ग्राउंड में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए भी अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं। मंच पर आसीन होने वाले विशिष्ट अतिथियों और मीडिया प्रतिनिधियों के वाहन जगदलपुर शहर स्टेट बैंक चौक से कोतवाली तिराहा, पुलिस आईजी बंगला तिराहा होकर सनसिटी मार्ग से लालबाग ग्राउंड पहुंचेंगे।

पार्किंग एवं रूट व्यवस्था

कार्यक्रम में शामिल होने वाली आम जनता के लिए आमागुड़ा चौक को मुख्य केंद्र बनाया गया है। कोण्डागांव-रायपुर रोड और नगरनार रोड से आने वाले वाहन नेशनल हाईवे 30 से होते हुए आमागुड़ा चौक पहुंचेंगे। गीदम एवं सुकमा रोड से आने वाले लोग तेलीमारेंगा आड़ावाल बायपास अथवा गीदम नाका सरगीपाल रोड से बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा मार्ग होते हुए पहुंचेंगे, जबकि लोहण्डीगुड़ा से आने वाले वाहन पल्ली नाका, बीआर कोल्ड स्टोरेज, सरगीपाल रोड और हाटकचोरा रोड होकर आमागुड़ा पहुंचेंगे।
शहरवासियों के लिए चांदनी चौक से बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा रोड का रास्ता निर्धारित किया गया है। आम नागरिकों को आमागुड़ा चौक पर उतारने के बाद सभी वाहनों को रिलायंस पेट्रोल पंप और गणपति रिसॉर्ट के पास बने निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क कराया जाएगा, जहां से लोग पैदल कार्यक्रम स्थल की ओर प्रस्थान करेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों और यात्रियों से यातायात नियमों व परिवर्तित मार्गों का पालन कर सहयोग करने की अपील की गई है।

शहीद पुलिस जवानों के अदम्य साहस व बलिदान को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



- पुलिस स्मृति दिवस पर एनएचआरसीसीबी टीम ने दी श्रद्धांजलि, राष्ट्रसेवा व कर्तव्यनिष्ठा को किया याद

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो छत्तीसगढ़ की टीम ने देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और आम नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। टीम ने शहीद जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके बलिदान को देश के लिए अमूल्य बताया। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस केवल शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन वीर पुलिसकर्मियों के त्याग, संघर्ष और सेवा भावना को याद करने का दिन भी है, जिन्होंने देश की शांति, सुरक्षा और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी पुलिस जवान जिस साहस, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि शहीद पुलिस जवानों का सर्वोच्च बलिदान हमेशा राष्ट्र की स्मृतियों में जीवित रहेगा। उनकी कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों को भी देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देती रहेगी। इस सेवा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एनएचआरसीसीबी बस्तर संभागीय टीम के जगमोहन सोनी, प्रेमदास मानिकपुरी, योगेंद्र कश्यप, नवीन एक्का, अक्षय देशमुख और रविराज पटनायक ने सक्रिय सहयोग दिया। वहीं जिला टीम की मीनू सिंह, विद्या सिंह, किरण नथानी और तेजस्विता घोष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बस्तर पठार में अरहर की खेती के लिए अनुसंधान केंद्र की पहल

खेतों में लहलहाएगी अरहर, पहली बार 26 किस्मों का परीक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर पठार क्षेत्र में दलहन उत्पादन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए जोनल एग्रीकल्चरल रिसर्च स्टेशन

- बस्तर की जलवायु के अनुकूल किस्मों की होगी पहचान
- दलहन उत्पादन और फसल विविधीकरण को मिलेगा बढ़ावा

जगदलपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। अनुसंधान केंद्र में पहली बार अरहर (तूर) की 26 विभिन्न प्रविष्टियों (जीनोटाइप्स) का प्रदर्शन एवं मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षण के तहत खेतों में फसल की स्थिति काफी अच्छी है और पौधों की वृद्धि भी उत्साहजनक नजर आ रही है। इससे बस्तर क्षेत्र में अरहर की खेती की नई संभावनाएं सामने आने की उम्मीद है। यह परीक्षण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बस्तर पठार की स्थानीय कृषि एवं जलवायु परिस्थितियों में अरहर की विभिन्न प्रविष्टियों के प्रदर्शन का आकलन करना और यहां की परिस्थितियों के अनुकूल बेहतर जीनोटाइप्स की पहचान करना है। परीक्षण एसोसिएट डायरेक्टर रिसर्च डॉ.



एके ठाकुर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अनुसंधान कार्य में आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के वैज्ञानिक डॉ. रोशन परिहार, अतिथि वैज्ञानिक डॉ. महेश शिरसाट तथा पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. देवचंद सलाम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वैज्ञानिकों के साथ कृषि श्रमिक भी लगातार मेहनत कर फसल प्रबंधन और परीक्षण के संचालन में योगदान दे रहे हैं।

कृषि श्रमिकों का निरंतर परिश्रम अहम

अनुसंधान केंद्र में अरहर की फसल का बेहतर प्रदर्शन बस्तर में दलहन अनुसंधान को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। परीक्षण से प्राप्त परिणामों के आधार पर ऐसी किस्मों की पहचान की जाएगी, जो क्षेत्र की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल हों तथा किसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकें। इससे भविष्य में अरहर की खेती को प्रोत्साहित करने, फसल विविधीकरण बढ़ाने और किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों के विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस परीक्षण की सफलता के पीछे वैज्ञानिक योजना, नियमित फसल प्रबंधन और कृषि श्रमिकों का निरंतर परिश्रम अहम है।